>

Title: Regarding setting up of a solar park and solar power plant in Gujarat.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (महेसाणा): धन्यवाद सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित कराना चाहती हूं। आज भारत तथा विश्व में कोयला, गैस, थर्मल जैसे परम्परागत बिजली उत्पादन ईंधनों की कमी और तंगी भी है। यह संकट जब पूरे भारत में मंडरा रहा है तब गुजरात में सूर्य एवं पवन ऊर्जा से बिजली शक्ति पैदा करके, भविष्य में उनकी पीढ़ियों के लिए सुखकारी दिशा दी है। केवल 10 वर्ष में गुजरात ने 4000 मेगावाट बिजली उत्पादन से 18,000 मेगावाट का सपना पूरा किया है। हाल ही में एशिया का सबसे बड़ा गुजरात सोलर पार्क 600 मेगावाट का एकसहित 10 सोलार पावर प्लांट राष्ट्र को समर्पित किये हैं। उत्तर गुजरात के एक डेजर्ट विस्तार में चारणका में 3000 एकड़ बंजर जमीन पर प्रस्थापित गुजरात सोलर पार्क समग्र एशिया में सबसे बड़ा है। जिसका दिसम्बर 2010 में शिलान्यास हुआ था। इसके विकास में गुजरात सरकार सहित 21 देश-विदेश की अंतर्राष्ट्रीय सोलर कंपनियां सहभागी रही हैं। केवल एक वर्ष में विक्रम सर्जक समय में एशिया का 500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन करने वाला यह पार्क कार्यरत किया है। अकेला गुजरात राज्य सोलर पावर में देश का कुल 66 प्रतिशत हिस्सा रखता है और समग्र देश में गुजरात सरप्लस स्टेट हो गया है। फिर भी रिन्युएवल एनर्जिक विकास के क्षेत्र में 2000 करोड़ रुपये का बजट आबंटन किया है। यह दर्शाता है कि क्लाइमेट चेंज के लिए गुजरात विश्व को वैकल्पिक ऊर्जा की ओर प्रेरित करने वाला पथ-प्रदर्शक बना है।

गुजरात सरकार के साहस, गुजरात स्टेट इलैक्ट्रिसिटी कारपोरेशन लिमिटेड जिसके द्वारा कड़ी ताल्लुका गुजरात के चंद्रासणां गांव में पास होने वाली नर्मदा योजना ब्रांच केनाल के ऊपर 1.4 किलोमीटर लम्बे फोटोवोलट पैनल बिछाकर 1 मेगावाट का सोलर प्रोजैक्ट किया है।

मेरी मांग है कि सोलर पावर प्लांट सीमा पर लगाया जाए जिससे सेना और सीमावर्ती गांवों को सस्ती बिजली की सुविधा मिल सके। मैं सरकार से अनुरोध करती हूं और जानना चाहती हूं कि गुजरात के इस अद्भुत अविष्कार को अपनाने हेतु सरकार का क्या प्रयास है और वह क्या करने जा रही है।

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण: सभापति जी, मैं श्रीमती जयश्रीबेन पटेल द्वारा उठाये गये विषय से अपने को सम्बद्ध करता हूं।